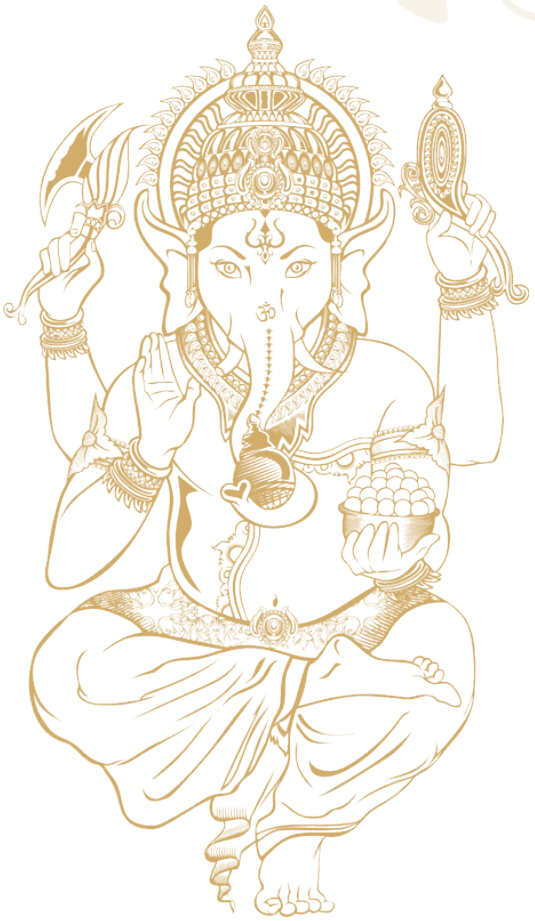

Aakash

13 Dec 1996

11:53 PM

Solapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121072007

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/12/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:53:00 घंटे**
इष्ट	42:41:43 घटी
स्थान	**Solapur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	17:43:00 उत्तर
रेखांश	75:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:26:44 घंटे
वेलान्तर	00:05:43 घंटे
साम्पातिक काल	04:57:35 घंटे
सूर्योदय	06:48:18 घंटे
सूर्यास्त	17:52:55 घंटे
दिनमान	11:04:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:13:26 वृश्चिक
लग्न के अंश	21:16:55 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:16:55	343:11:37	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	28:13:26	01:01:03	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मक	09:57:06	14:40:30	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	28:25:43	00:25:40	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			धनु	18:26:15	01:09:46	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	27:14:16	00:13:09	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	01:51:55	01:14:45	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			मीन	06:53:23	00:01:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कन्या	10:39:46	00:08:03	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	10:39:46	00:08:03	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	08:30:27	00:02:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:22:36	00:01:58	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:54:51	00:02:17	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	21:48:47	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:53

लग्न-चलित

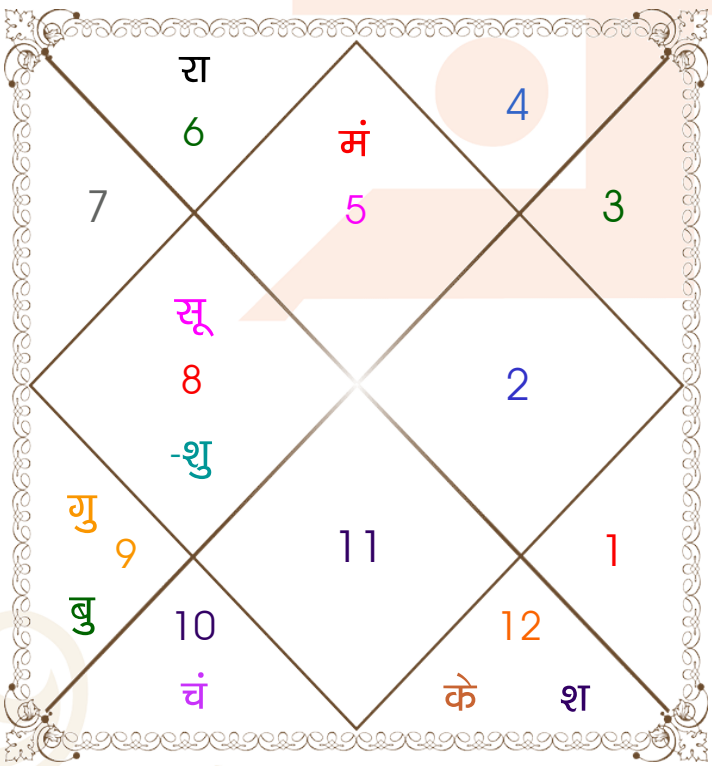

चन्द्र कुंडली

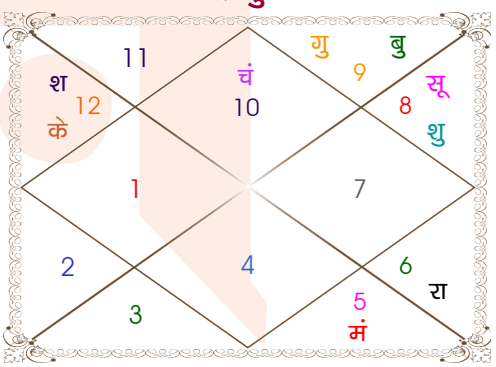

नवमांश कुंडली

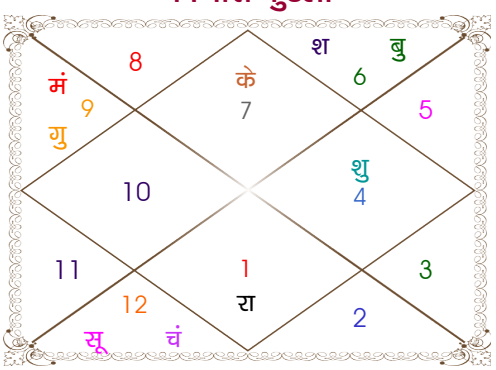

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 0 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/12/1996		21/12/1996		22/12/2006		22/12/2013		22/12/2031	
21/12/1996		22/12/2006		22/12/2013		22/12/2031		22/12/2047	
	00/00/0000	चंद्र	22/10/1997	मंगल	20/05/2007	राहु	03/09/2016	गुरु	08/02/2034
	00/00/0000	मंगल	23/05/1998	राहु	07/06/2008	गुरु	27/01/2019	शनि	22/08/2036
	00/00/0000	राहु	22/11/1999	गुरु	14/05/2009	शनि	03/12/2021	बुध	28/11/2038
	00/00/0000	गुरु	23/03/2001	शनि	22/06/2010	बुध	22/06/2024	केतु	04/11/2039
	00/00/0000	शनि	22/10/2002	बुध	20/06/2011	केतु	10/07/2025	शुक्र	05/07/2042
	00/00/0000	बुध	23/03/2004	केतु	16/11/2011	शुक्र	10/07/2028	सूर्य	23/04/2043
	00/00/0000	केतु	22/10/2004	शुक्र	15/01/2013	सूर्य	04/06/2029	चंद्र	22/08/2044
	13/12/1996	शुक्र	22/06/2006	सूर्य	23/05/2013	चंद्र	04/12/2030	मंगल	29/07/2045
शुक्र	21/12/1996	सूर्य	22/12/2006	चंद्र	22/12/2013	मंगल	22/12/2031	राहु	22/12/2047

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/12/2047		22/12/2066		22/12/2083		22/12/2090		23/12/2110	
22/12/2066		22/12/2083		22/12/2090		23/12/2110		14/12/2116	
शनि	25/12/2050	बुध	20/05/2069	केतु	19/05/2084	शुक्र	22/04/2094	सूर्य	12/04/2111
बुध	03/09/2053	केतु	17/05/2070	शुक्र	19/07/2085	सूर्य	23/04/2095	चंद्र	11/10/2111
केतु	13/10/2054	शुक्र	17/03/2073	सूर्य	24/11/2085	चंद्र	21/12/2096	मंगल	16/02/2112
शुक्र	13/12/2057	सूर्य	21/01/2074	चंद्र	25/06/2086	मंगल	21/02/2098	राहु	10/01/2113
सूर्य	25/11/2058	चंद्र	23/06/2075	मंगल	22/11/2086	राहु	21/02/2101	गुरु	29/10/2113
चंद्र	25/06/2060	मंगल	19/06/2076	राहु	10/12/2087	गुरु	23/10/2103	शनि	11/10/2114
मंगल	04/08/2061	राहु	06/01/2079	गुरु	15/11/2088	शनि	23/12/2106	बुध	17/08/2115
राहु	10/06/2064	गुरु	13/04/2081	शनि	25/12/2089	बुध	23/10/2109	केतु	23/12/2115
गुरु	22/12/2066	शनि	22/12/2083	बुध	22/12/2090	केतु	23/12/2110	शुक्र	14/12/2116

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 0 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।